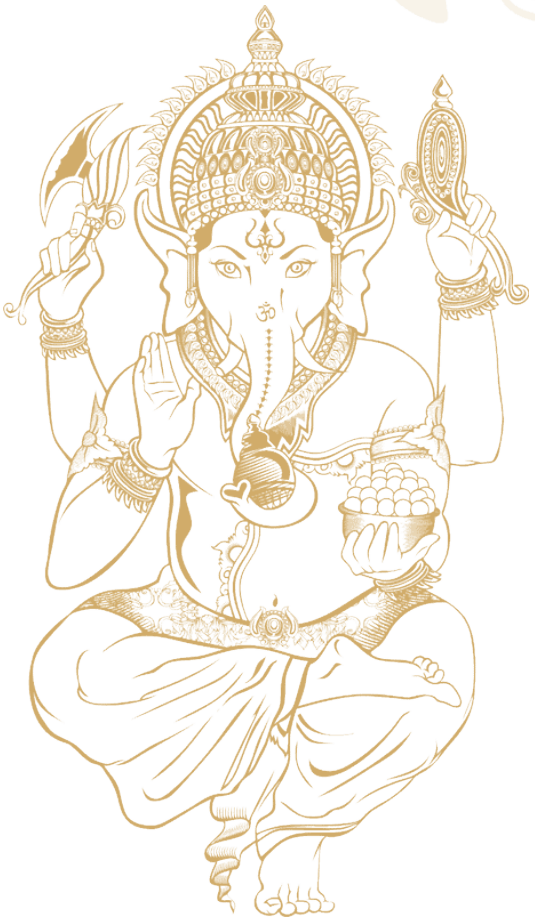

Mr. Mayank

13 Mar 2017

01:40 AM

Delhi

Model: Baby-Horoscope **Order No: 119260601**

तिथि 13/03/2017 **समय** 01:40:00 **वार** सोमवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:05:43
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	12:41:31 घं
वेलान्तर	00:09:27 घं
सूर्योदय	06:34:33 घं
सूर्यास्त	18:27:38 घं
चैत्रादि संवत	2073
शक संवत	1938
मास	फाल्गुन
पक्ष	शुक्ल
तिथि	1
नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
योग	शूल
करण	बालव

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
होरा	शुक्र
चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 0मा 26दि

चन्द्र
08/04/2021
09/04/2031

चन्द्र	07/02/2022
मंगल	08/09/2022
राहु	09/03/2024
गुरु	09/07/2025
शनि	07/02/2027
बुध	08/07/2028
केतु	06/02/2029
शुक्र	08/10/2030
सूर्य	09/04/2031

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 9मा 0दि

संकटा
12/12/2021
12/12/2029

संकटा	23/09/2023
मंगला	13/12/2023
पिंगला	23/05/2024
धान्या	22/01/2025
भ्रामरी	12/12/2025
भद्रिका	22/01/2027
उल्का	23/05/2028
सिद्धा	12/12/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			02:52:36	धनु	मूल	1	केतु	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			28:20:37	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	1.12	आत्मा	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			00:56:55	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु	मित्र राशि	1.23	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			07:56:12	मेष	अश्विनी	3	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण	1.34	मातृ	भ्रातृ	मित्र
बुध		अ	03:51:12	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	नीच राशि	0.94	पुत्र	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		27:14:28	कन्या	चित्रा	2	मंगल	गुरु	शत्रु राशि	1.13	अमात्य	धन	विपत
शुक्र	व		17:33:37	मीन	रेवती	1	बुध	बुध	उच्च राशि	1.76	भ्रातृ	कलत्र	वध
शनि			03:12:35	धनु	मूल	1	केतु	सूर्य	सम राशि	1.29	ज्ञाति	आयु	मित्र
राहु	व		09:16:44	सिंह	मघा	3	केतु	गुरु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		09:16:44	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

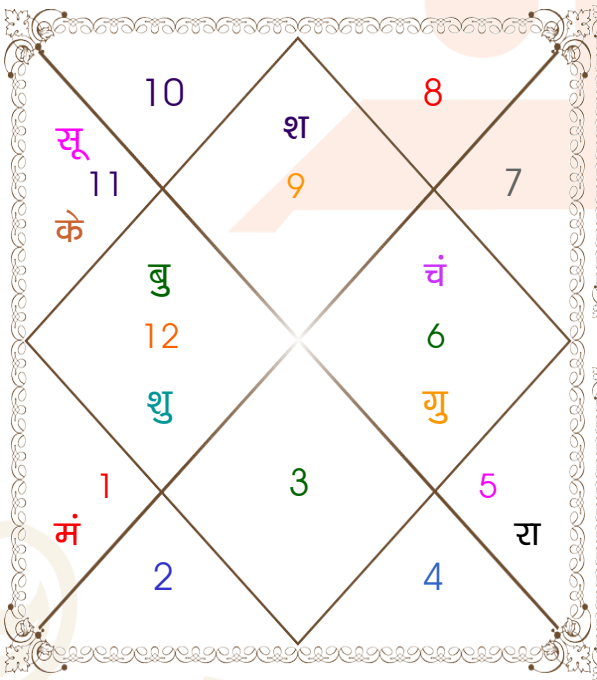

चन्द्र कुंडली

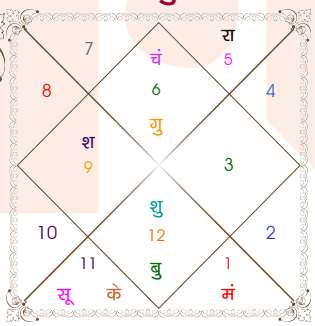

नवमांश कुंडली

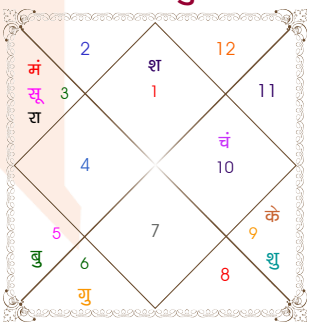

सर्वाष्टकवर्ग

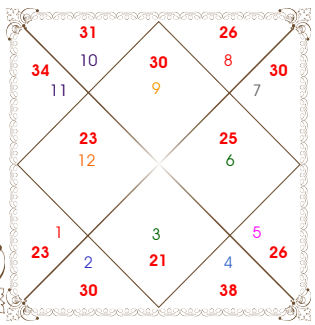

दशमांश कुंडली

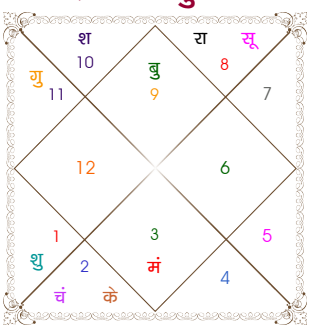

महन्त श्री पं जितेन्द्र कुमार शास्त्री S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा
श्री दोघडीया माता मंदिर नारायणपुर रोड़ निमडी सुरजनपुर थानागाजी
9414960706/ 9829674714
panditjidhogadyama@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उतराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में पैदा हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि कन्या तथा राशिस्वामी बुध होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण वैश्य, नाड़ी आद्य, योनि गो, वर्ग श्वान तथा गण मनुष्य होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "टो" अक्षर से शुरू होगा।

आप एक दयालु पुरूष होंगे तथा दानशीलता की प्रवृति से भी सुशोभित रहेंगे। आपका चालचलन अत्यन्त ही श्रेष्ठ होगा तथा अन्य जन आपके सदाचार की प्रशंसा करेंगे एवं अनुकरण करने के लिए भी प्रेरित होंगे। इस प्रकार आप अपने सत्कार्यों, मृदुस्वभाव से समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। समाज के सभी वर्ग आपका हार्दिक अभिनन्दन करेंगे। आप अत्यन्त ही तीक्ष्ण बुद्धि के स्वामी होंगे अतः अपनी बुद्धि तथा योग्यता के बल पर राज्य या सेना में किसी भी उच्चपद को सुशोभित करने में सक्षम रहेंगे। आप का स्वभाव अन्य जनों के साथ मधुरता से युक्त रहेगा।

दाता दयालु सुतरां सुशीलो विशालकीर्तिर्नृपते प्रधानः।
धीरोऽत्यन्तमृदुर्नरः स्याच्चेदुत्तराफाल्गुनिका प्रसूतौ।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक दानी, दयालु, शीलवान, कीर्तिवान राजमंत्री, स्वभाव से कोमल तथा धैर्यधारण करने वाला होता है।

जीवन में आप समस्त प्रकार के सुखसंसाधनों का उपभोग करने में सफल रहेंगे तथा समाज से यथोचित सम्मान प्राप्त करेंगे। आपमें कृतज्ञता की भावना भी विद्यमान रहेगी तथा अन्य जनों से उपकृत होने पर अवश्य ही उनके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करेंगे। साथ ही उच्चकोटि के विद्वान तथा सद्गुणों से भी सुसम्पन्न रहेंगे।

भोगी चोत्तरफाल्गुनीभजनितो कृतज्ञः सुधीः।।
जातकपरिजातः

अर्थात उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक भोगी सम्माननीय, कृतज्ञ तथा विद्वान होता है।

समाज में आप सभी लोगों के प्रिय रहेंगे तथा अपने अच्छे व्यवहार एवं कार्यों से उनको प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप विद्या द्वारा धन का उपार्जन करने वाले होंगे तथा समस्त सुखों से हमेशा युक्त रहेंगे।

सुभगो विद्याप्तधनो भोगी सुखभागद्वितीयफाल्गुन्यां।
बृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सर्वप्रिय, विद्या से धन प्राप्त करने वाला, भोगी तथा सुखी होता है।

आप में सहनशीलता का भाव प्रारम्भ से ही विद्यमान रहेगा तथा आप शूरता तथा वीरता के गुणों से भी सुशोभित रहेंगे एवं अपने समस्त कार्य कलापों को साहसपूर्वक सम्पन्न करेंगे। आप अत्यन्त ही मधुरवाणी का अपने भाषण में प्रयोग करेंगे। इसके साथ ही निशानेबाजी में आप दक्षता प्राप्त करेंगे। आप एक महान योद्धा भी हो सकते है। समाज में आपका व्यवहार अत्यन्त ही प्रिय रहेगा।

दान्तः शूरो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदार्थ पण्डितः।
उत्तराफाल्गुनी जातो महायोद्धा जनप्रियः।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सहनशील वीर तथा मधुर बोलने वाला, धनुष बाण विद्या में निपुण, महायोद्धा तथा सर्वसाधारण का प्रिय होता है।

इन्द्रियो पर संयम करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे एवं हृदय से हमेशा शान्त रहेंगे तथा आप अपनी बुद्धिमता से समाज से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

दान्तः शान्तो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदस्य पारगः।
उत्तराफाल्गुनिजातो महाबुद्धिर्जनः प्रियः।।
जातकदीपिका

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक इन्द्रियों को वश में करने वाला, शान्त स्वभाव से युक्त, मधुर बोलने वाला, धनुर्वेद में पारंगत, महान बुद्धिमान तथा जनता का प्रिय होता है।

ताम्र पाद में उत्पन्न होने के कारण आप राज्य या सरकार से धन लाभ अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे तथा समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। आप सन्तोषी प्रवृति के होंगे तथा अनावश्यक इच्छाओं को मन में उत्पन्न नहीं करेंगे। आप श्रेष्ठ आचरण से युक्त रहेंगे तथा सभी लोग आपका आदर सत्कार करेंगे। विविध प्रकार की धन सम्पतियों तथा सुखसंसाधनों से आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। माता पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनसे भी आप पूर्ण धन सम्पति को प्राप्त करेंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यो में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगे तथा नाना प्रकार के वाहन एवं भूमि से भी युक्त रहकर प्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव रहेगा। आप एक पराक्रमी पुरूष भी होंगे। आप में परोपकार की भावना भी रहेगी तथा सज्जन पुरूषों का आप नित्य आदर करेंगे। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

कन्या राशि में उत्पन्न होने के कारण आपके हाथों की लम्बाई अधिक होगी तथा शरीर के अंग मुख, आँख, कान व दान्त सभी सुन्दर तथा दर्शनीय होंगे। स्त्रीवर्ग के प्रति आपके मन में विशेष अनुराग रहेगा। आप एक उच्चकोटि के विद्वान होंगे तथा धार्मिक संस्थाओं में उच्चपदों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक इसका पालन करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे। आपकी मधुर तथा प्रियवाणी से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। सत्य एवं शुद्धता के प्रति आप विशेष ध्यान देंगे तथा इनका अनुपालन करते रहेंगे। आप एक धैर्यवान पुरूष होंगे तथा अपने समस्त कार्यों को धैर्यपूर्वक सम्पन्न करेंगे। परोपकार की भावना से भी आप युक्त रहेंगे तथा परहित के कार्यों को सम्पन्न करने में तन, मन, धन से अपना सहयोग अर्पण करेंगे। साथ ही समस्त जीवों तथा प्राणियों के प्रति आपके मन में दया तथा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। आपकी सुन्दरता भी दर्शनीय होगी तथा जीवन में समस्त सुखैश्वर्य एवं वैभव का आप उपभोग करेंगे एवं सन्तति में पुत्रों की अपेक्षा कन्याओं की संख्या अधिक रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारुदन्ताक्षिणिकर्णो।
विद्वानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।
सारावली

आप आलस्य एवं लज्जायुक्त दृष्टि से नित्य गमनशील रहेंगे। आपकी भुजाएं तथा कन्धे शिथिल होंगे तथा समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखों से सर्वथा परिपूर्ण रहेंगे। आपके शरीर में कोमलता की अधिकता रहेगी तथा कलाओं के प्रति आप समर्पित रहेंगे। विभिन्न शास्त्रों के तत्वों के आप ज्ञाता होंगे एवं आपकी बुद्धि भी हमेशा तीव्र रहेगी। स्त्री वर्ग के प्रति आपके मन में तीव्र आकर्षण रहेगा तथा किसी अन्य व्यक्ति या संबंधी के धन तथा मकानादि का आप उपभोग करने वाले होंगे। साथ ही घर से बाहर अन्य प्रदेश या देश में निवास करना आपको रूचिकर लगेगा।

व्रीळामंथरचारूवीक्षणगतिः स्रस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्धार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।
बृहज्जातकम्

आप स्त्रियों को अपनी नाना प्रकार की कलाओं तथा अभिनय से प्रसन्न तथा आकर्षित करने की क्रिया में निपुण रहेंगे। आपका स्वभाव सरल तथा सुशील रहेगा। आप की प्रवृति हमेशा अच्छे कार्यों को करने की तरफ ही प्रवृत रहेगी। दुष्कर्मों से आप दूर ही रहेंगे। इसके अतिरिक्त सौभाग्य हमेशा आपका सहायक रहेगा तथा भाग्यबल से कई महत्वपूर्ण कार्य जीवन में सफल होंगे।

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।

विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।
जातकाभरणम्

आपकी बुद्धि अत्यन्त ही निर्मल तथा छलकपट से हीन रहेगी। लिखने में आप नैसर्गिक रूप से प्रवृत रहेंगे तथा काव्य सृजन में आप सफल भी हो सकेंगे। आपका स्वभाव शान्त रहेगा तथा अनावश्यक चंचलता का इसमें सर्वथा अभाव रहेगा। साथ ही नेत्र कष्ट से भी आप यदा कदा कष्टानुभूति प्राप्त करते रहेंगे। गुरूजनों के प्रति आपके मन में पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी तथा उनके हित के कार्यों को करने में हमेशा तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आप प्रवृति से विलासप्रिय होंगे तथा समस्त भौतिक सुखसंसाधनों पर उन्मुक्त भाव से व्यय करेंगे। विद्वानों तथा सज्जन लोगों के प्रति आपके मन में विशिष्ट आदर तथा सम्मान का भाव व्याप्त रहेगा तथा ये लोग भी आपसे सर्वथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आप दानशील स्वभाव के होंगे एवं समय समय पर इस प्रवृति का दीन दुःखियों तथा समाज में प्रदर्शन करते रहेंगे। आप वैदिक धर्म का पूर्ण रूप से अनुकरण करेंगे। सभी लोगों के प्रति आपके मन में प्यार तथा स्नेह का भाव सर्वथा विद्यमान रहेगा। समाज में किसी को भी आप अपना शत्रु नहीं समझेंगे। आप संगीत तथा अभिनय के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा आजीवन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संगीत अभिनय तथा अन्य कलाओं से संबंधित रहेंगे। आप दूर प्रदेश में जाकर भी निवास कर सकते हैं।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप अपने जीवन में समस्त सुख वैभव एवं ऐश्वर्य का उपभोग करने में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। कामाग्नि की भी आप में प्रबलता रहेगी तथा इससे पीड़ित रहेंगे। अन्य जनों के प्रति स्वभाव से ही आप कोमल भावों तथा मधुर संबंधों से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की विद्याओं तथा कलाओं के विषय में आप पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी धार्मिक प्रवृति होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में गहन श्रद्धा तथा सेवा भाव रहेगा। कभी कभी आप अभिमान का

भी प्रदर्शन करेंगे। आपके मन में दया तथा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा तथा गरीबों एवं दुःखियों के प्रति आपके मन में पूर्ण सहानुभूति रहेगी तथा प्रयत्न से इनकी सहायता करेंगे। शारीरिक बल का भी आप में अभाव नहीं रहेगा। कलाओं के विषय में आपका विस्तृत ज्ञान रहेगा। आप अत्यन्त ही बुद्धिमान होंगे तथा स्वबुद्धिचातुर्य से सबको प्रभावित करेंगे। आपका शरीर भी सुन्दर कान्ति से सुशोभित रहेगा तथा आपके द्वारा बहुत से अन्य लोग भी सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

आप धनैश्वर्य तथा मान सम्मान से सर्वथा सम्पन्न रहेंगे। जीवन में आपको इनका अभाव नहीं रहेगा। आपके नेत्र भी आकार में बड़े होंगे तथा निशानेबाजी की कला में आप अत्यन्त निपुण होंगे। आपका शरीर गौरवर्ण से युक्त रहेगा तथा नगरवासियों को आप अपने वश में करने में सफलता अर्जित करेंगे अर्थात् किसी नगर के आप कोई भी गणमान्य व्यक्ति होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में पैदा होने के कारण आप स्त्री वर्ग के मध्य अत्यन्त ही प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे इनसे आपको विशेष स्नेह की प्राप्ति होगी। आपका हृदय हमेशा उत्साह से परिपूर्ण रहेगा तथा आपके समस्त जीवन के कार्यकलाप भी उत्साहपूर्वक ही सम्पन्न होंगे। आपकी तार्किक शक्ति अत्यन्त ही प्रभावी होगी तथा अपने सटीक तर्कों से वाद विवाद में आप हमेशा विजयी रहेंगे।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

अर्थात गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य तृतीय भाव में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा यदा कदा ही शारीरिक अस्वस्थता रहेगी। साथ ही उनकी आयु भी उत्तम रहेगी। पिता से आप जीवन में समस्त शुभकार्यों में सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आप में शक्ति, साहस एवं पराक्रम बढाने के लिए वे नित्य यत्नशील रहेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे तथा अवसरानुकूल आपको उचित उपदेश तथा निर्देश भी देते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति हार्दिक स्नेह एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा प्रायः उनकी आज्ञा का पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी कुछ मतभेदों को छोडकर सामान्य रूप से मधुर ही रहेंगे। उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे उन्हें कोई दुःख या कष्ट न हो। इस प्रकार आप एक दूसरे के लिए सामान्यतया शुभ ही समझे जाएंगे।

आपके जन्म काल में मंगल पंचम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा परन्तु यदा कदा सामान्य रूप से शारीरिक रूप से व्याकुलता भी रहेगी। आपके प्रति उनके मन में स्नेह एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेक्षा। धन धान्य से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। वे सुख दुःख में हमेशा आपका सहयोग करेंगे एवं आवश्यकतानुसार आपको आर्थिक या अन्य प्रकार की सहायता भी प्रदान करेंगे। इसके साथ ही शिक्षा संबंधी कार्यों में भी वे आपको यथोचित सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान एवं स्नेह का भाव रहेगा। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में अल्प समय के लिए कटुता या तनाव की अनुभूति होगी। साथ ही आप सुख दुःख में उनको आर्थिक तथा अन्य प्रकार के समस्त वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं आपसी सहयोग से एक दूसरे को सुख प्रदान करेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग, कौलवकरण, प्रथम प्रहर, शनिवार तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल देने वाले होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15 तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग तथा कौलवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक परेशानी, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में व्यवधान या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता नहीं मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव गणेश जी की अर्चना करनी चाहिए तथा बुधवार एवं गणेश चतुर्थी का उपवास करना चाहिए। साथ ही सोना, पन्ना, हरा वस्त्र, मूंग की दाल आदि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा अशुभ प्रभावों में कमी आएगी।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

महन्त श्री पं जितेन्द्र कुमार शास्त्री S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा
श्री दोघडीया माता मंदिर नारायणपुर रोड़ निमडी सुरजनपुर थानागाजी
9414960706/ 9829674714
panditjidhogadyama@gmail.com